वार्तालाप-581, तिरुपति, दिनांक 07.06.08
Disc.CD No.581, dated 07.06.08 at Tirupati
Extracts-Part-1

समयः 02.07-07.10

जिज्ञासुः नज़र से निहाल करना माना क्या बाबा?

बाबाः आत्मिक स्थिति जब बच्चों की बने, तो बाप की आत्मिक स्थिति से मेल होगा। बच्चे अगर देहअभिमान में होंगे तो बाप को आत्मिक स्थिति से मेल होगा? नहीं होगा। ये ही नज़र से निहाल होना है। जो बाबा कहते हैं कि बच्चों को नयनों पर बिठा कर ले जाऊंगा। अभी वो प्यार क्यों नहीं पैदा होता? लौकिक दुनियां में किसी को कोई से प्यार हो जाता है, तो उसकी नज़रें कितनी याद आती रहती हैं। एक-दो, दस सेकण्ड की नज़र भूलती ही नहीं। और यहाँ 70 साल हो गए बाबा को दृष्टि देते-देते और मेल नहीं हो पाता। याद से याद उतनी मिलती नहीं। नहीं तो बाबा कहते हैं दिल से दिल को राहत होती है। अंत समय में जब दुनियां का विनाश होगा, उस समय बच्चों को नैनों पर बिठाकर ले जाऊँगा। तो क्या देह को बिठाकर ले जाएंगे? (किसीने कहा - नहीं।) किसको बिठाके ले जाएंगे? जो आत्माभिमानी बच्चे बने होंगे, जिन्होंने अपन को पुरुषार्थ करके, प्रैक्टिस करके आत्मा बनाया होगा, उनको ले जावेंगे। ऐसे बच्चों को ले जावेंगे जिनके देखने से ही दूसरों को आकर्षण हो जाए।

Time: 02.07-07.10
Student: Baba, what is meant by '*nazar se nihaal*'?
Baba: When the children attain a soul conscious stage, then they can meet the soul conscious stage of the Father. If the children are in body consciousness, then will they meet the soul conscious stage of the Father? They will not. This itself is being '*nazar se nihaal*'. For which Baba says: I will take the children on my eyes. Why doesn't that love emerge now? If someone falls in love with someone in the *lokik* world, then they remember their eyes so much! They do not forget [the meeting of] their eyes [that lasted] for 1, 2 or 10 seconds at all. And here it has been 70 years since Baba has been giving *drishti* (vision) [but] the stage is not becoming equal. The remembrance does not meet to that extent. Otherwise, Baba says: the heart touches the heart. In the end when the world will be destroyed, I will carry the children on my eyes. So, will He take with Him their bodies? (Someone said: no.) What will He take along? He will take the children who would have become soul conscious, who would have made themselves souls by making *purusharth* (spiritual effort), by practicing. He will take such children to whom people are attracted just on seeing.

जिज्ञासुः नज़र से निहाल ये भक्ति का बात है ना ।

बाबाः भक्ति की बात नहीं है। प्रैक्टिकल बात है। माँ अपने बच्चे को देखती है प्यार से और बच्चा माँ को देखता है प्यार से। जैसे बच्चा माँ की गोद में तुरंत चला जावेगा। कोई दूसरा उसे गोद में लेना चाहे तो नहीं जावेगा। ऐसे ही दृष्टि का भी हिसाब है। दृष्टि से दृष्टि तब मिलती है जब समान स्टेज हो। मेल भी तब होता है। दुनियां में मेल करते हैं, शादियां करते हैं तो मेल करते हैं ना, उमर भी मिलती हुई हो, शरीर की सुंदरता भी मिलती हुई हो, धन दौलत में भी

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

मेल खाता हुआ हो, मेल देखा जाता है ना। ऐसे ही बाप तो सदैव पवित्र है, सदैव ज्योतिबिन्दु है और बच्चे कभी ज्योतिबिन्दु और कभी देहअभिमानी। और इतना लंबा टाइम हो गया, ऐसे लगता है जैसे जब तक विनाश नहीं शुरु होगा, तब तक आत्मिक स्थिति धारण लगातार की करेंगे ही नहीं। कहावत भी है कि टेढ़ी उंगली से घी निकलता है। सीधी उंगली से घी भी नहीं निकलता। भय बिन प्रीत न होय गोसाईं। जब भय पैदा होता है तो प्रीति भी पैदा हो जाती है।

Student: Baba, '*nazar se nihaal'* is a topic of *bhakti* (devotion), isn't it?
Baba: It is not about *bhakti.* It is a practical subject. A mother sees her child with love and the child sees the mother with love. For example, a child will go its mother's lap immediately. He will not go to the lap of anybody else. Similar is the case with *drishti*. The *drishti* meets *drishti* when the stage is equal; the matching also takes place at that time. Matches are made in the world. Matches are made for marriages, aren't they? They see that the age matches, the beauty of the body also matches, there is similarity in wealth as well; similarity is observed, isn't it? Similarly, the Father is ever pure, He is always a point of light and the children are sometimes a point of light and sometimes body conscious. And it has been such a long time; it appears as if you will not assimilate a continuous soul conscious stage until the destruction begins. There is also a saying that ghee is taken out with a crooked finger. You cannot take out even ghee with a straight finger. *Bhay bin preet na hoi gosain* (One cannot have love [for someone] without fear). Even love develops when there is fear.

समयः 07.40-10.20

जिज्ञासुः बाबा, माताजी पूछती है कि अभी जिन्होंने जन्म नहीं लिया है, परमधाम में पड़े हुए हैं। क्यों वो उधर पड़े हुए हैं?

बाबाः उनका पार्ट ही इतना है। उनका पार्ट ही ऐसा है कि पाप की दुनियां, घोर पाप की दुनियां जब बन जाएगी तब ही आ करके उनको जन्म लेना है।

दूसरा जिज्ञासुः पाप की दुनियां में आने वाले पापात्मा है ना।

बाबाः ठीक है।

Time: 07.40-10.20
Student: Baba, the mother is asking that those who have not yet been born are lying in the Supreme Abode. Why are they lying there?
Baba: Their part itself is that much. Their part itself is such that they have to come and be born only when the world is sinful, full of sins.
Second student: Those who come to the world of sins are sinful souls, aren't they?
Baba: It is correct.

दूसरा जिज्ञासुः वो कभी पाप किया नहीं।

बाबाः कभी पाप किया ही नहीं? अभी पाप की दुनियां अभी देखनी है। अभी देखी भी नहीं है आपने। हाँ, नहीं देखी है तभी तो ऐसे कह रहे हैं ना। अभी तो घोर पाप की, रौरव नर्क दिखाई देगा। अपने आप इस दुनियां से वैराग आ जाएगा। अभी मेरा घर, मेरा बच्चा, मेरा पति, ये सब भूल जाएंगे। इतना जबरदस्त घोर अन्याय, घोर पाप, घोर रौरव नरक देखने में आवेगा। अभी

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जो इस दुनियां से लागत पैदा हो रही है, वो लागत नफरत में बदल जाएगी। अभी तो कुछ भी नहीं है। अभी तो आराम से, शान्ति से जीवन चल रहा है। इसलिए अव्यक्त वाणी में बोला है अभी सुख के दिनों में धीरज धरो। कोई-कोई बच्चे अभी ही रोना शुरु कर देते हैं। अच्छा खासा खाना खाने-पीने को मिल रहा है, अच्छा खासा मकान बच्चों को मिल रहा है। बाबा के बच्चे तो इतने दुःखी हैं भी नहीं जो सड़क पे एक-एक टुकड़े के लिए रोटी मांगनी पड़े। सब कुछ मुहैया है। शान्ति से चल रहा है। आगे चल करके टाइम ऐसा आने वाला है - एक बूंद पानी का नहीं मिलेगा, रोटी का निवाला नहीं मिलेगा। चारों तरफ अकाल ही अकाल, मौत ही मौत दिखाई देगी।

Second student: They have never committed sins.
Baba: Have they never committed sins at all? You are yet to see the world of sins. You have not seen it yet. Yes, you have not seen it; this is why you saying so. Now you will see [the world] of extreme sins, a horrible hell. You will automatically feel detached from this world. Now you will forget everything: my house, my child, my husband. Such grave injustice, grave sins, such a grave hell will be visible. The attachment that you develop for this world now will change into hatred. Now it is nothing. Now your life is going on smoothly peacefully. This is why it has been said in the avyakta vani: have patience in the days of happiness now. Some children start crying now itself. They are getting nice things to eat and drink, nice house to live in. Baba's children are not so sorrowful that they have to beg for pieces of bread on the road. Everything is available. [Life] is going on peacefully. In future such a *time* is going to come that people will not get a drop of water. People will not get a piece of *roti*. There will be only famine and death seen everywhere. ... (to be continued.)

Extracts-Part-2

समयः 10.35-14.20

जिज्ञासुः बाबा, ये माताजी पूछती है - सत्य साईं बाबा, कलकी भगवान, ये सब कौन हैं?

बाबाः सत्य साईं बाबा, ये तो हो चुके हैं। कलकी भगवान अभी कहाँ दिखाई दे रहा है? कौन है कलकी भगवान? किसी को बताया किसी ने?

जिज्ञासुः इधर है बाबा चित्तूर जिला में।

बाबाः चित्तूर... लेकिन शास्त्रों में तो लिखा हुआ है - मुरादाबाद के नज़दीक कलकी अवतार होगा। संबल गांव में होगा। तो यहाँ चित्तूर में कहाँ से आ गया? ऐसे जाने कितने पैदा हुए हैं। लेकिन ज्ञान क्या सुनाते हैं?

जिज्ञासुः ज्ञान कुछ भी नहीं सुनाते।

बाबाः मूल बात तो ज्ञान की है ना।

जिज्ञासुः ज्ञान नहीं है बाबा।

बाबाः तो ज्ञान नहीं है तो फिर भगवान किस बात का? भगवान दुनियां को किस बात से पलटता है? धन संपत्ति से पलटता है क्या?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 10.35-14.20
Student: Baba, this *mataji* is asking: Who are these Satya Sai Baba, Kalki Bhagwan?
Baba: Satya Sai Baba has already left. Kalki Bhagwan is not visible? Who is Kalki Bhagwan? Did anyone tell anyone?
Student: Baba, he is here in the Chittoor District.
Baba: Chittoor ... But it has been written in the scriptures: The incarnation of Kalki will take place near Moradabad. It will take place in Sambal village. So, how did he come here in Chittoor? So many people like this have been born. But what knowledge do they narrate?
Student: They narrate no knowledge.
Baba: The main subject is of knowledge, isn't it?
Student: There is no knowledge Baba.
Baba: If there is no knowledge then he is God for what purpose? How does God transform the world? Does He transform [the world] through wealth and property?

जिज्ञासुः वो बताता है हमारा आशीर्वाद लेने से आपको पूरा शांति सब मिल जाएगा।
बाबाः तो फिर उसी की टांगे दबाते रहें। मक्खनबाजी करते रहें।
जिज्ञासु: ऐसे करते हैं।
बाबा: तो मक्खनबाजी करने वाले ही को मिलेगा। पुरुषार्थ करने की कोई बात ही नहीं रही न फिर।
जिज्ञासुः नहीं।
बाबाः फिर? भगवान तो ऐसी पार्श्यलीटी नहीं करता है। भगवान आ करके ऐसा पक्षपात थोड़े ही करता है। भगवान तो कहता है - जितना करो उतना पाओ। ऐसे तो सारी दुनियां चाटुकार बन जावेगी, मक्खनबाजी करने वाली बन जावेगी। जैसे आज की दुनियां में जो मक्खनबाजी करते हैं, वो उनके वल्ले ही वल्ले। और जो अपना काम धंधा अच्छे से संभालते हैं उनको कोई पूछता नहीं।

Student: He says: you will get complete peace by getting my blessings.
Baba: Then they should continue to press only his feet. They should continue to butter him.
Student: They do so Baba.
Baba: So, only those who flatter him will receive [peace]. Then there is no question of making *purusharth* at all, is there?
Student: No.
Baba: Then? God does not do such *partiality*. God does not come and do such partiality. God says: You will get as much as you do. In this way the entire world will become flatterer (*chaatukaar*). . For example, in today's world whoever butters reap benefits. And nobody asks those who do their work well.

जिज्ञासुः वो कलकी भगवान को ये लोग पैसा देते है, 50000, 10000, 5000। तो वो क्यों देते हैं?
बाबाः संसार में तांत्रिक प्रक्रियाएं चलने वाले और चलाने वाले ढ़ेर सारे गुरु हैं, जो भूतों प्रेतों की सिद्धि करते हैं और भूत-प्रेतों की सिद्धि के आधार पर अल्पकाल की सिद्धियाँ दिखा करके लोगों को लुभाते हैं। इससे कोई स्वर्ग नहीं बन जाता है। ये कोई नहीं कहता है कि मैं इतने दिनों के

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

अन्दर दुनियां को स्वर्ग बना के दिखाऊँगा। ये तो बाप ही आ करके बताते हैं कि मैं एक ही जन्म में आ करके, एक इसी जन्म में इस दुनियां को पलट करके तब वापस जाऊँगा। और भगवान क्या पैसों का भूखा है? ज्ञान की संपत्ति देता है। पैसों से क्या काम? पैसे लेने वाले कोई भगवान होते हैं क्या? पैसों के भिखमंगे हैं भगवान? ये तो ब्राह्मणों ने भी बदनामी की है भगवान की पैसे मांग-मांग करके।

Student: These people give money to Kalki Bhagwan. They give rupees 50000, 10000, 5000 to him. Why do they give it?
Baba: There are numerous gurus who practice *tantric* procedures, who acquire mastery over ghosts and spirits and on the basis of acquiring mastery over ghosts and spirits they show temporary attainments and attract people. Heaven is not established through this. Nobody says that I will transform the world into heaven within so many days. It is the Father alone who comes and says that I will come and transform this world in just one birth, in this very birth and then go back. And is God hungry for money? He gives the wealth of knowledge. What does He have to do with money? Are those who seek money God? Does God beg for money? It is the Brahmins who have brought a bad name to God by begging for money.

समय: 18.13-19.10

जिज्ञासु: बाबा, मुनीश्वरा माना क्या बाबा? कौन है?
बाबा: मुनीश्वरा। मुनी कहा जाता है जो मन का उपयोग करे। जो मन का उपयोग करे, मन को चलाये श्रीमत के अनुकूल। मन से ऐसे-2 संकल्प करें श्रीमत के अनुकूल जिससे विश्व का कल्याण हो, विश्व का वायब्रेशन बने, विश्व का वायब्रेशन बिगड़े नहीं ऐसे मन रूपी घोड़े को चलाने वाले को मुनीश्वर कहा जाता है। मनन चिंतन मंथन करे नई दुनियाँ के बारे में, ज्ञान के बारे में मनन चिंतन मंथन करे, आत्माओं के कल्याण के बारे में मनन चिंतन मंथन करे उसको मुनीश्वर कहा जाता है।

Time: 18.13-19.10
Student: Baba what is the meaning of Munishwara? Who is he?
Baba: Munishwar. The one who uses his mind is called *muni*, the one who uses his mind, the one who uses his mind according to shrimat. The one who creates such thoughts according to shrimat through the mind which bring benefit to the world, which make the vibrations of the world good, which do not spoil the vibrations of the world, the one who uses the mind like horse in such a way is called Munishwar. The one who thinks and churns about the new world, the one who thinks and churns the knowledge, the one who thinks and churns about the benefit of the souls is called Munishwar.

समय: 19.15-20.22

जिज्ञासु: माताजी पूछ रही है चेन्नकेशवर कौन है?
बाबा: चेन्न नहीं होता, चिन्न। चिन्न कहते हैं छोटा। चिन्न माना छोटा। चिन्नकेश्वर, माना जो छोटे-2 हैं... दुनियाँ में ऐसे बहुत से लोग है जो दिखाई छोटे पड़ते हैं लेकिन काम बहुत बड़ा करते हैं। जैसे बाबा के बच्चे। साधारण बच्चे हैं या बड़े-2 हैं दुनियाँ की नजरों में? साधारण हैं,

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

छोटे-2 हैं, सहयोगी भगवान के बनते हैं और वो छोटे-2 सहयोगी सारे संसार में तहलका मचाने वाले हैं। इसलिये उन छोटे-2 सहयोगियों को ले करके जो 108 की माला बनती है उस माला को बनाने वाला एक बड़ा है। उसको कहते हैं चिन्नकेश्वर। छोटो-2 का ईश्वर।

Time: 19.15-20.22
Student: A mother is asking: who is Chennakeshwar?
Baba: It is not Chenna, [it is] Chinna. Something small is called Chinna. Chinna means small. Chinnakeshwar means those who are small.... there are many people like this in the world who appear to be small but they do a very great work. Just like the children of Baba. Are they ordinary children or are they great from the point of view of the world? They are ordinary, they are small, they become the helpers of the Father. And those small helpers are the ones who create uproar in the world. This is why the one who makes the rosary of the 108 [beads] with those small helpers is the one big [personality]. He is called Chinnakeshwar. The lord (*iishwar*) of the small ones.

समयः 20.32-23.35
जिज्ञासुः बाबा, ये माताजी पूछ रही है - सूर्य को ऐसे क्यों कहते हैं कि वो छह महीने दक्षिणायण होता है, छह महीने उत्तरायण होता है?
बाबाः हाँ, जी। इसलिए कहता है कि ज्ञान सूर्य शिवबाबा जब इस सृष्टि पर आते हैं तो ब्रहमा के तन के द्वारा साकार में पार्ट बजाते हैं। उसे कहते हैं उत्तरायण। और फिर उनहत्तर में शरीर छोड़ दिया तो चले गये दक्षिणायण। माना जो साकार तन था कृष्ण वाली आत्मा उसके द्वारा काम करना बंद कर दिया और जो असुर हैं वो मैदान में आ जाते हैं। उन असुरों की तरफ चले जाते हैं। उसको कहते हैं सनसेट पॉइंट। माउंट आबू में यादगार बनी हुई है। सूर्य अस्त हो गया। कहाँ? पश्चिम में, पश्चिमी सभ्यता में। पश्चिमी सभ्यता कहो, दक्षिणी सभ्यता कहो, जहाँ मुसलमानों का और क्रिश्चियन्स का राज्य है। वहाँ सूर्य अस्त हो गया। सूर्य वहाँ चला गया। तो वो दक्षिणायण हो गया।

Time: 20.32-23.35
Student: Baba, this mataji is asking: why is it said that the Sun remains in the southern Hemisphere (*dakshinayan*) for six months and in the northern hemisphere (*uttarayan*) for six months?
Baba: Yes. It is said so because when the Sun of knowledge, Shivbaba comes in this world, He plays a part in corporeal through the body of Brahma. That is called *uttarayan*. And when he left his body in 69, he became *dakshinayan*. It means that He stopped working through the corporeal body [of] the soul of Krishna and the demons come on to the field [of action]. He goes to the side of those demons. That is called *sunset point*. A memorial is built in Mount Abu. The Sun had set. Where? In west, in the western civilization. Call it the western civilization, the southern civilization which is ruled by the Muslims and the Christians. The Sun set there; the Sun went there. So, He became *dakshinayan.*

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

अब दक्षिणायण से फिर उत्तरायण आता है सन् 76 में, राम वाली आत्मा के थ्रू। जो-जो पहचानता जाता है उसके लिए उत्तरायण है। और जो नहीं पहचानते हैं उनके लिए दक्षिणायण है। इसको कहते हैं ब्रह्मा का दिना और ब्रह्मा की रात। भीष्म पितामह के लिए कहा गया - भीष्म पितामह ने कहा कि जब उत्तरायण सूर्य हो जाएगा तब मैं शरीर छोड़ूंगा। माना जब सूर्य चन्द्रवंशी और सूर्यवंशी आत्माओं की तरफ चमकता है, देवात्माओं की तरफ चमकता है, उनको रोशनी देता है तब ही वो शरीर छोड़ते हैं। राक्षसी आत्माओं की तरफ जब सूर्य चमकता है, पश्चिमी सभ्यता की ओर तब उन्होंने जीतेजी मरने का काम नहीं किया। ये है ब्रह्मा का दिन और ब्रह्मा की रात।

Now He comes from *dakshinayan* to *uttarayan* again in the year 76 through the soul of Ram. He is *uttarayan* for all those who go on recognizing Him. And for those who do not recognize Him He is *dakshinayan*. This is called Brahma's day and Brahma's night. It has been said for Bhishma Pitamah: Bhishma Pitamah said that when the Sun becomes *uttarayan*, then I will leave my body. It means that he leaves the body only when the Sun shines towards the *Candravanshi* and *Suryavanshi* souls, towards the deity souls, gives them light. He did not perform the task of dying while being alive when the Sun shines towards the demonic souls, towards the western civilization. This is Brahma's day and Brahma's night. .... (to be continued.)

Extracts-Part-3

समयः 23.01-23.32

जिज्ञासुः बाबा, बारह राशि क्या है?

बाबाः अरे हर धर्म में 12-12 के ग्रुप हैं, वही राशियाँ हैं बारह। कोई दूसरी बारह राशियाँ नहीं हैं। दुनियां की हर मनुष्यात्मा 12 भागों में बंटी हुई है। 12 भागों में से कोई न कोई राशि की मनुष्यात्मा होती है। चाहे कोई भी धर्म की हो, लेकिन कोई न कोई राशि का असर होता है।

Time: 23.01-23.32
Student: Baba, what are the twelve zodiac signs (*baarah raashi*)?
Baba: *Arey*, there are 12 groups each of every religion; they themselves are the twelve zodiac signs. The twelve zodiac signs are not something else. Every human soul of the world is divided into 12 parts. Every human soul belongs to one or the other zodiac sign among those 12 parts. Someone may belong to any religion, yet there is an influence of some or the other zodiac sign [on them].

समयः 23.40-26.20

जिज्ञासुः बाबा, ये भाई पूछता है सूर्य ग्रहण, चन्द्र ग्रहण क्यों पड़ता है?

बाबाः एक तरफ सूरज है, बीच में पृथ्वी है। सूरज भी है आग का गोला और पृथ्वी भी गोल है और एक तरफ चन्द्रमा है। सूरज जब चमकता है, तो पृथ्वी का परछाया चन्द्रमा के ऊपर पड़ता है। जिस हिस्से में परछाया पड़ेगा, तो पृथ्वी पर रहने वाले चन्द्रमा को अंधेरा देखेंगे या उजेले

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

में देखेंगे? अंधेरे में देखेंगे। वो हिस्सा दिखाई नहीं पड़ेगा। तो कह देते हैं चन्द्रमा के ऊपर ग्रहण लग गया।

Time: 23.40-26.20
Student: Baba, this brother is asking: Why does the solar eclipse (*surya grahann*) and the lunar eclipse (*Candra grahann*) happen?
Baba: On one side is the Sun; the Earth is in the middle. The Sun is also a ball of fire. The Earth is also spherical and on one side is the Moon. When the Sun shines, then the shadow of the Earth falls on the Moon. The portion on which the shadow falls, will the residents of the Earth see the Moon to be dark or in light? They will see it to be in darkness. They will not be able to see that portion [of the Moon]. So, they say that the Moon has eclipsed.

अब यही बात जो ज्ञान चन्द्रमा, चैतन्य आत्मा ब्रह्मा की है, उसके ऊपर भी लागू होती है। ज्ञान सूर्य इस संसार में चमक रहा है अभी। बीच में पृथ्वी माता जगदम्बा आ जाती है। तो जगदम्बा का परछाया, प्रभाव चन्द्रमा के ऊपर पड़ जाता है। वो चन्द्रमा बात को नहीं समझ पाता। ज्ञान की गहराई को नहीं समझ पाता। इसीलिए वो अंधेरे में दिखाई पड़ता है। सबको नहीं अंधेरे में दिखाई पड़ता। जो सूरज की ऑपोजिशन की साईड में हैं पृथ्वी पर, उनको वो चन्द्रमा अंधेरे में दिखाई पड़ता है। यहाँ है प्रैक्टिकल में ऐसे चन्द्र ग्रहण दिखाई पड़ता है।

Now, the same topic is applicable on the Moon of knowledge, the living soul of Brahma as well. The Sun of knowledge is shining in this world now. The Mother Earth, Jagdamba comes in between. So, the shadow, the influence of Jagdamba falls on the Moon. That Moon is unable to understand the topic. He is unable to understand the depth of knowledge. This is why he appears to be in darkness. He does not appear to be in darkness to everyone. Those who are on the *opposition* (i.e. opposite) side of the Sun on the Earth find the Moon in darkness. Here it is so in practice. The lunar eclipse is visible.

ऐसे ही सूर्य ग्रहण भी है। क्या? सूर्य ग्रहण कब होता है? जब पृथ्वी एक ओर, एक ओर पृथ्वी, बीच में चन्द्रमा आ गया और इस तरफ सूर्य है। तो पृथ्वी पर रहने वालों, पृथ्वी की परछाया चन्द्रमा पर पड़ती है। चन्द्रमा की परछाया सूरज के ऊपर पड़ती है। तो सूरज अंधेरे में आ जाता है, दिखाई पड़ता है। सूरज कभी अंधेरे में आने की बात नहीं है। जो पृथ्वी पर रहने वाले लोग हैं, उनको सूरज का वो हिस्सा दिखाई नहीं पड़ता। तो कह देते हैं सूरज अंधेरे में आ गया। अब सूरज तो आग का गोला है। वो कभी अंधेरे में आएगा क्या? उनको दिखाई नहीं पड़ता है।

Similar is the case with solar eclipse. What? When does solar eclipse occur? When the Earth is on one side, when the Earth is on one side, the Moon came in between and the Sun is this side. So, the residents of the Earth... the shadow of the Earth falls on the Moon. The shadow of the Moon falls on the Sun. So, the Sun comes under darkness. It **appears** so. There is no question of the Sun becoming dark at all. The residents of the Earth are not able to see that portion of the Sun. So, they say that the Sun has become dark. Well, the Sun is a ball of fire. Will it ever become dark? It is not visible to them.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

समयः 31.33-33.00

जिज्ञासुः बाबा, ये माताजी पूछती है - अब पुरुषार्थ करते हैं हम सब, उसका प्रारब्ध, अधिकार हमको मिलता है सतयुग में।

बाबाः ठीक है। हाँ।

जिज्ञासुः तो बड़े-बड़े पैलेसेज़, बिल्डिंग्स, ये सब उधर नहीं होता है।

बाबाः हाँ।

Time: 31.33-33.00
Student: Baba, this *mataji* is asking: Now we all are making *purusharth*. We get its fruit, its right in the Golden Age.
Baba: It is correct. Yes.
Student: So, the big palaces, buildings do not exist there.
Baba: Yes.

जिज्ञासुः तो क्यों वो पूछता है ये अधिकार मिलता है? अधिकार माना राजा....

बाबाः माना बड़ा महल होता है, तभी.... महल से ही सुख होता है क्या? झोंपड़ी में रहने वाले को सुख नहीं होता क्या? अरे वहाँ हाथ-पाँव की मेहनत से बड़े महल नहीं तैयार करेंगे। वहाँ तो प्रकृति ही प्राकृतिक रूप से ऐसा बड़ा महल तैयार कर देगी जो बड़े-बड़े पर्वतों के अंदर बड़ी-बड़ी गुफाएं होंगी। अच्छे-अच्छे कमरे होंगे। उनमें हीरे जवाहरात जड़े हुए होंगे। रोशनी ही रोशनी रहेगी। और क्या चाहिए? आपको बनाना भी नहीं पड़ेगा। प्रकृति ही सारा काम तैयार करेगी। अभी तो मकान बनाने के लिए मेहनत करनी पड़ती है।

Student: So, she is asking that why do they get the right? Gaining rights means [becoming] a king...
Baba: Does it mean that you get happiness only when there is a big palace? Doesn't a person living in hut experience happiness? *Arey*, they will not build palaces by working hard with their hands and legs there. There, the nature itself will prepare such big palaces naturally that there will be big caves within big mountains. There will be nice rooms. There will be diamonds and gems studded in them. There will be just light everywhere. What else do you want? You will not even have to even build it. The nature itself will carry out the entire task. Now you have to work hard to build a house.

समयः 33.05-34.43

जिज्ञासुः बाबा, ये भाई पूछता है ये सुब्रह्मण्य स्वामी का सात सिर है। क्यों ये सात सिर हैं?

बाबाः हाँ, जी। सुब्रह्मण्य स्वामी कोई दूसरा नहीं है। जैसे सूरज को सात घोड़े दिखाए जाते हैं, ऐसे ही सुब्रह्मण्य स्वामी को छह सिर दिखाए गए हैं। वो सात सिर सात नारायणों के सूचक हैं। वो सात नारायणी आत्माएं उनके साथ काम करती हैं। इसलिए सात सिर दिखाए गए हैं। वास्तव में अष्ट देवों की बात है। सुब्रह्मण्य स्वामी का एक सिर और सात सिर और दूसरे - टोटल मिला के ये आठ सिर ऊपर दिखाए गये हैं। उधर देखो ऊपर। ये आठों आत्माओं के पुरुषार्थ की

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

निशानी है। सुब्रहमण्यम का मतलब ही होता है सु माना सुन्दर, ब्रहम माना ब्रहमा। सुन्दर ब्रहमा का स्वरूप।

Time: 33.05-34.43
Student: Baba, this brother is asking: Subrahmanya Swami has seven heads. Why does he have seven heads?
Baba: Yes. Subrahmanya Swami is not someone else. Just as the Sun is shown [to ride on a chariot driven by] seven horses, similarly Subrahmanya Swami is shown to have six heads. Those seven heads are the symbol of the seven Narayans. Those seven Narayani souls work with him. This is why seven heads have been depicted. Actually it is about the eight deities. One head of Subrahmanya Swami and seven other heads. These are the eight heads in total that have been shown. Look there above. This is a sign of the *purusharth* made by the eight souls. The very meaning of Subrahmanyam is: *Su* means *sundar* (beautiful), *Brahm* means Brahma. The form of beautiful Brahma.

समयः 35.30-37.50

जिज्ञासुः बाबा क्राइस्ट ने कन्या के गर्भ से जन्म लिया। क्यों वो कन्या के गर्भ से जन्म लिया?
बाबाः ये तो आप बोल रहे हैं कि क्राइस्ट ने कन्या के गर्भ से जन्म लिया। क्रिश्चियन्स् ने ये शास्त्रों में लिख दिया कि क्राइस्ट ने कन्या से जन्म लिया। अब कोई कन्या चोरी करके किसी पति को बना ले और कोई न जान पाए तो संभव हो सकता है कि नहीं? कर्ण के बारे में लंबे टाइम तक किसी ने नहीं जाना कि कर्ण किसका बच्चा है? ऐसे ही क्राइस्ट भी कोई कन्या से पैदा नहीं होता है। उस कन्या ने कोई न कोई पुरुष के साथ चोरी से संबंध किया और वो बच्चा पैदा हुआ। वो जैसी पढ़ाई पढ़ा देते हैं वैसे ही सत्य वचन महाराज। सो हिसाब है। हिन्दुओं में भी ऐसी ढ़ेर सारी बातें बताते रहे, जिनका न आगा, न पीछा। बस, सत्य वचन महाराज। आपने जो कहा सो सच्चा।

Time: 35.30-37.50
Student: Baba, Christ was born from the womb of a virgin. Why was he born through a virgin's womb?
Baba: It is you who say that Christ was born from the womb of a virgin. Christians wrote this in their scriptures that Christ was born to a virgin. Well, is it possible or not that a virgin accepts someone as her husband stealthily and nobody comes to know of it? Nobody knew about Karna for a long time: whose child is Karna? Similarly, Christ also was not born to a virgin. That virgin must have had a connection with a man stealthily and that child was born. Whatever they (the gurus) teach, they (the followers) accept it as truth. That is the account [here]. Many topics like this are said among the Hindus which do not have any basis. They just accept it as truth. Whatever you say is truth.

समयः 44.10-45.33

जिज्ञासुः बाबा, ये कन्या पूछती है 108 में क्या शिव बाप प्रवेश हो ता है?
बाबाः शिव अगर 108 में प्रवेश हो जाए तो क्या सर्वव्यापी नहीं हो सकता? 108 में प्रवेश होगा तो 16108 में भी प्रवेश होगा। फिर तो एक लाख जो शालिग्राम हैं, रुद्रमाला के मणके उनमें भी

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

प्रवेश होगा। फिर नौ लाख में भी प्रवेश होगा। फिर 500 करोड़ में भी प्रवेश हो जाएगा। इसलिए शिव तो एक मुकर्रर रथ में ही आता है। बाकी मम्मा-बाबा की आत्माएं बच्चों में प्रवेश करती हैं। शिव का प्रवेश सिर्फ राम कृष्ण की आत्माओं में ही होता है।

Time: 44.10-45.33
Student: Baba, a virgin is asking: does the Father Shiva enter the 108 [beads]?
Baba: If Shiva enters the 108 [beads], can't He be omnipresent? If He enters the 108 [beads], [in that case] He will also enter the 16108 [beads]. Then He will also enter the one *lakh* (hundred thousand) *shaligrams*[1], the beads of the *Rudramala*. Then He will enter the nine *lakh* [souls] as well. Then He will enter the 500 *crore* (5 billion) as well. This is why Shiva comes only in the one permanent chariot. As for the rest, it is the souls of Mamma and Baba which enter the children. Shiva enters only the [bodies of] the souls of Ram and Krishna. ... (to be continued.)

Extracts-Part-4

समयः 05.32-11.08

जिज्ञासुः बाबा, पहले लक्ष्मी का नाम रख दिया। बाद में नारायण का नाम रख दिया। क्या बाबा?
बाबाः पहले आप पढ़ाई पढो। क्योंकि इस बात का जवाब मुरलियों में 100 बार दे दिया गया होगा।
जिज्ञासुः लक्ष्मी-नारायण को बोला प्रकाश है, राधा कृष्ण को...।
बाबाः अब दूसरा प्रश्न शुरू हुआ? इस बात का भी जवाब सौ, पचास बार दे दिया होगा। ध्यान से मुरलियाँ पढ़ो। क्या? अलबेलापन न दो। हाँ,जी।

Time: 05.32-11.08
Student: Baba, the name of Lakshmi is placed first. The name of Narayan is placed later. Why is it like this Baba?
Baba: First study the knowledge because the answer to this must have been given a hundred times in the murlis.
Student: Lakshmi and Narayan are shown completely in light; Radha and Krishna....
Baba: Now have you started a second question? The answer to this also must have been given hundred or fifty times. Read the murlis carefully. What? Do not be careless. Yes.

लक्ष्मी का नाम पहले क्यों? किसी को पता है? सब भूल गये? अरे, सीता का नाम पहले, राम का नाम बाद में। लक्ष्मी का नाम पहले, नारायण का नाम बाद में - ऐसा क्यों होता है? क्योंकि लक्ष्मी-नारायण ने जो पुरुषार्थ किया और राम-सीता ने जो पुरुषार्थ किया वो दोनों मिल करके जब पुरुषार्थ न करें, माया के ऊपर जीत न पाएं, तब तक उनको जीत नहीं मिल सकती। माता गुरू को आगे करना पड़े। तब अपवित्रता के ऊपर जीत होगी।

Why is Lakshmi's name mentioned first? Does anyone know? Did everyone forget it? *Arey*, Sita's name is mentioned first. Ram's name is mentioned later. Lakshmi's name is mentioned first, Narayan's name is mentioned later. Why does it happen so? It is because as regards the

[1] Round black pebbles considered sacred in the path of *bhakti*

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

purusharth that Lakshmi and Narayan made and the *purusharth* that Ram and Sita made, unless they make *purusharth* together, unless they gain victory over Maya, they cannot gain any victory. They will have to place the mother guru ahead. Then they will gain victory over impurity.

पुरुषार्थी समान चाहिए माया को जीतने में या असमान पुरुषार्थी चाहिए? अरे गाड़ी के दोनों पहिए एक जैसे होंगे तो गाड़ी दौडेगी या एक पहिया छोटा होगा और एक पहिया बड़ा होगा तो गाड़ी आगे बढेगी? नहीं बढ़ेगी। इसलिए लक्ष्मी का नाम आगे, सीता का नाम आगे और राम का नाम और नारायण का नाम पीछे। क्यों? अरे नारायण की तो सत्य नारायण की कथा गाई जाती है। लक्ष्मी की तो गाई नहीं जाती। फिर नारायण का नाम पीछे क्यों? (किसी ने कहा- माताओं में प्योरिटी ज्यादा है।) हां, क्योंकि पुरुष सब दुर्योधन-दुःशासन होते हैं, पुरुषार्थी जीवन में भी। क्या? पुरुष चोला क्या होता है? पुरुषार्थी जीवन में भी पुरुष चोला दुर्योधन-दुःशासन होता है। कन्याएं-माताएं कोई भी... ये नहीं कहा कि कन्याएं-माताएं सब सूर्पनखा-पूतना होती हैं। कोई कोई होती हैं। इसलिए माता गुरु को आगे करके पुरुषार्थ करना पड़े। उनको नेगलेक्ट करके पुरुषार्थ पूरा नहीं होगा। उनको गुरु बनाके चलना पड़े। ऐसे नहीं कि गीता पाठशाला युगलों के द्वारा चलाई जाती है तो हम मुखिया बन करके बैठे रहें। और माता को दब्बू बना करके बैठा दें। पार्टियाँ ले करके हम जायेंगे। मुखिया बन करके हम दिखाएंगे। माता तो बिचारी रह गई। नहीं। हर बात में किसको आगे बढ़ाना है? कन्याओं-माताओं को आगे बढ़ाना है।

Should the *purusharthi* (spiritual effort maker) be equal or unequal to conquer Maya? *Arey,* will the vehicle run if both wheels of the vehicle are alike? Will the vehicle move ahead if one wheel is small and the other wheel is big? It will not move ahead. This is why Lakshmi's name is ahead, Sita's name is ahead and Ram's name and Narayan's name is behind. Why? *Arey*, Narayan's story is famous as the story of Satyanarayan (the true Narayan). Lakshmi's story is not famous. Then why is Narayan's name placed behind? (Someone said: mothers have more purity.) Yes, because all men are Duryodhans and Dushasans in their *purusharthi* life (life of making spiritual effort) as well. What? What is a male body? Even in the *purusharthi* life a male body is Duryodhan-Dushasan. None of the virgins and mothers.... it was not said that all virgins and mothers are Surpankha-Putana[2]. There are some are like that. This is why the mother guru will have to be placed ahead while making *purusharth*. The *purusharth* will not be complete if they are neglected. You will have to make them guru. It is not that the *Gitapathshala* is run by couples, so let me sit as the head and make the mothers weak. I will take the parties (for *bhatti*). I will act as the chief. The poor mother was left out. No. Who should be placed ahead in every subject? The virgins and mothers should be placed ahead.

और दूसरा प्रश्न माता ने किया । लक्ष्मी नारायण को प्रकाश के घेरे में चारों तरफ से घेरा हुआ है। और राधा-कृष्ण को चारों तरफ से प्रकाश के घेरे में नहीं घेरा हुआ है। सिर्फ उनका मुखड़ा दिखाया हुआ है प्रकाश के घेरे में इसका मतलब क्या है? जो लक्ष्मी-नारायण हैं, जो नर से नारायण बनने वाले हैं उनकी सारी दुनियां ही ज्ञानमय हो गई। ज्ञान के प्रकाश में भरपूर है।

[2] Villainous female characters in the Hindu mythology

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

ऐडी से ले करके चोटी तक। उनका कोई अंग अज्ञान में नहीं है। और नीचे जो राधा-कृष्ण दिखाए गए हैं उनकी सिर्फ आत्मा ज्ञान के अन्दर है। एडवांस पार्टी में जब तक प्रवेश है तो ज्ञान में है, उनका सर माना आत्मा, वो ही ज्ञान में है। और जब प्रवेशता से बाहर आते हैं, तो सूक्ष्म शरीर आवृत्त कर लेता है। सूक्ष्म शरीर में ज्यादा देहभान है या कम है? (सबने कहा - ज्यादा।) ज्यादा देहभान है। ज्ञान की रोशनी का नाम निशान नहीं। जब सूक्ष्म शरीर में होते हैं तो उनके अन्दर वायब्रेशन चलते हैं - अंधेरा कायम रहेगा।

जिज्ञासुः गीता का भगवान को प्रत्यक्ष नहीं होने देंगे।

बाबाः गीता के भगवान को प्रत्यक्ष करने देने का सवाल ही नहीं। तो उनके देह के चारों तरफ, जो राधा-कृष्ण का चित्र दिखाया है, उनकी देह के चारों तरफ उजेला नहीं दिखाया गया, प्रकाश नहीं दिखाया है गया ज्ञान का। उनकी आत्मा के चारों तरफ ही ज्ञान का प्रकाश दिखाया है।

And the mother has raised another question. Lakshmi and Narayan have been shown to be encircled by light and Radha and Krishna are not shown to be encircled by light. Only their face is shown to be encircled by light. What does this mean? Lakshmi and Narayan, who are going to be transformed from a man to Narayan, their entire world itself has become full of knowledge. They are full of the light of knowledge from head to toe. None of their organ is in ignorance. And in case of Radha and Krishna who have been shown below, only their soul is in knowledge. As long as they are present in the advance party, they are in knowledge; their head, i.e. only the soul is in knowledge. And when they come out [of the advance party], then the subtle body covers them. Does a subtle body have more body consciousness or less? (Everyone said: more.) It has more body consciousness. There is no name and trace of the light of knowledge. When they are in subtle body, they create vibrations within themselves: The darkness will prevail.

Student: They will not let the God of the Gita to be revealed.

Baba: Yes. There is no question of letting the God of the Gita reveal at all. So, in the picture of Radha and Krishna, their body is not shown to be encircled by light, the light of knowledge. Just their soul is shown to be encircled by the light of knowledge. (Concluded.)

……

Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info